सीबीएसई कक्षा - 12 हिन्दी 2010 (केन्द्रिक) सेट-1
(बाहरी दिल्ली)

निर्देश:

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए **(1×5=5)**

किस भाँति जीना चाहिए, किस भाँति मरना चाहिए,

सो सब हमें निज पूर्वजों से ज्ञात करना चाहिए।

पद-चिन्ह उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए

निज पूर्व गौरव-दीप को बुझने न देना चाहिए।।

आओ मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के

साधक बनें सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के।

क्या सांप्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता, अहो,

बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की, कही।।

प्राचीन हों कि नवीन, छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,

बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस की-सी चातुरी।

प्राचीन बातें ही भली हैं - यह विचार अलीक है,

जैसी अवस्था हो जहाँ, वैसी व्यवस्था ठीक है।।

मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा,

हैं, सब स्वेदशी बंधु, उनके दुःख-भागी हो सदा।

देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो,

निज दुःख से ही दूसरों के दुःख का अनुभव करो।

(क) अतीत का गौरव बनाए रखने के लिए कवि हमें क्या परामर्श देता है?

(ख) विविध सुमनों की एक माला' का उदाहरण कवि ने क्यों दिया है?

(ग) उन पंक्तियों को उद्धृत कीजिए जिनमें कहा गया है कि पुराना होने से कोई बात अच्छी नहीं हो जाती, हमें विवेकपूर्वक उनकी परख करनी चाहिए

(घ) अपने देशवासियों के साथ हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए- 'मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा'।

उत्तर- (क) पूर्वज महापुरुषों के पदचिन्हों को, उनके कार्यों को ढूंढना चाहिए। अतीत गौरव को भुलाना नहीं चाहिए।

(ख) भारत देश की विविधता में एकता दिखाने और सांप्रदायिक सौहाद्र के लिए।

(ग) प्राचीन हों कि नवीन ..... वह विचार अलीक है।

(घ) उनके प्रति बंधुत्व का भाव तथा दुख-सुख में भागीदार।

(ङ) देशभक्ति का दिखावा न कर मन से देशभक्ति करें।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उन्नीसवीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न-किसी रूप में अभिव्यत हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एंव उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जागना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित, गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा। विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ ग़रीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र - सभी को भाई मानें और गर्व से कहें - हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों मे विवेकानन्द गांधी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन उन्नीसवीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

(क) विवेकानंद कौन थे? उन्होंने क्या स्वप्न देखा था? (2)

(ख) पश्चिम के उद्देश्यों से भिन्न भारत के बारे में उनका क्या मानना था? (2)

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए- 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी। (2)

(घ) विवेकानंद दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की ज़रूरत क्यों मानते थे? (2)

(ङ) 'मनुष्य को मानव', 'आदमी को इन्सान बनाने से क्या तात्पर्य है? (2)

(च) विवेकानंद के मत में भारतीयों को कैसी शिक्षा की ज़रूरत है? (1)

(छ) गद्यांश के लिए एक उपयुत शीर्षक दीजिए। (1)

(ज) उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए: (1)

अभिव्यत, भारतीयता।

(झ) रचना के अनुसार वाक्य-भेद बताइए: (1)

भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है।

(ञ) विशेषण बनाइए: (1)

पश्चिम, चिंतन।

उत्तर- (क) एक महापुरुष, भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न।

(ख) पश्चिम के संस्कार भारत के अनुकूल नहीं, कुसंस्कारों जातीय भेदभाव का त्याग तथा अशिक्षित गरीब भारतीयों की सेवा तथा उत्थान।

(ग) दरिद्रजन ही भगवान हैं। अतः उनकी सेवा भगवान की सेवा है।

(घ) अपराध दरिद्र नहीं करते, धनी करते हैं। गरीबी अपराध नहीं है।

(ङ) संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बनाना, उनमें मानवीय गुणों का समावेश।

(च) जो शिक्षा मनुष्य में आदर्श मानवीय गुणों का विकास करे।

(छ) राष्ट्रीय जागरण में विवेकानंद की भूमिका (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें)।

(ज) अभि, ईय/ता

(झ) मिश्र वाक्य

(ञ) पश्चिमी, चिंतनीय/चिंतक

खण्ड-'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: (5)

(क) खेलकूद में उभरता भारत

(ख) क्या नहीं कर सकती नारी

(ग) बढ़ती जनसंख्या: अभिशाप या वरदान

(घ) काल्पनिक या वास्तविक हवाई यात्रा का वर्णन

उत्तर- निबंध का अंक विभाजन

- भूमिका और उपसंहार
- विषय वस्तु वर्णन
- भाषा और प्रस्तुति शैली

4. दो दिन की वर्षा के बाद सड़कों और नालों की दुर्दशा और जनता की परेशानियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए, ज़िला अधिकारी को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

बस में गुंडों के द्वारा घेर लिए जाने पर एक महिला यात्री की सहायता करने वाले बस-संवाहक के साहस और कर्तव्य-भावना की प्रशंसा करते हुए परिवहन-निगम के मुख्य प्रबंधक को पत्र लिखिए।

उत्तर- पत्र का अंक विभाजन

- प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं
- प्रश्नानुकूल लेखन
- भाषा और प्रस्तुति

5. (क) संक्षेप में उत्तर दीजिए: (1×5=5)

(i) संपादकीय किसे कहते हैं?

(ii) समाचार और फीचर में क्या अंतर होता है?

(iii) विशेष लेखन के किन्हीं दो प्रकारों का नामोल्लेख कीजिए।

(iv) पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' का क्या आशय है?

(v) किन्हीं दो हिन्दी समाचार चैनलों के नाम लिखिए।

(ख) 'महिलाओं के विरूद्ध बढ़ते अपराध' अथवा 'वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ' विषय पर एक फीचर का आलेख लिखिए।

उत्तर- (क) (i) किसी महत्वपूर्ण सामयिक विषय पर संपादक द्वारा लिखा गया लेख।

(ii) समाचार - कोई घटनाक्रम जिसमें पाठकों/श्रोताओं की रुचि हो, तात्कालिकता हो।

(iii) किसी खास विषय पर लेखन जैसे - रक्षा, विज्ञान, कृषि, शिक्षा, खेल और व्यापार आादि।

(iv) हलका या क्षेत्र जो किसी पत्रकार के लिए निर्धारित हो।

(v) आज तक, जी न्यूज, स्टार - न्यूज, दूरदर्शन आदि (किन्हीं दो का उल्लेख)

(ख) रिपोर्ट/फीचर का आलेख - मुक्त उत्तर

अंक योजना

- प्रस्तुति शैली
- प्रभावी भाषा
- प्रभावी भाषा

6. 'मोबाइल बिना लगे सब सूना' अथवा 'नई फिल्म के दर्शक नदारद' विषय पर एक रिपोर्ट का आलेख लिखिए। (5)

उत्तर- रिपोर्ट/फीचर का आलेख - मुक्त उत्तर

अंक योजना

- प्रस्तुति शैली
- प्रभावी भाषा
- प्रभावी भाषा

खण्ड-'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः (2×4=8)

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं

तुम्हें भूल जाने की

दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या

शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं

झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं

इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित

रहने का रमणीय यह उजेला अब

सहा नहीं जाता है।

नहीं सहा जाता है।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त 'तुम्हें' पद आपके विचार से किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

(ख) कवि के व्यक्तिगत संदर्भ में 'अमावस्या' की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।

(ग) कवि अपने संबोध्य प्रिय पात्र को क्यों भूल जाना चाहता है?

(घ) काव्यांश में दो स्थानों पर दो वाक्यांशों की आवृति से अर्थ में क्या विशेष प्रभाव पड़ा है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क) प्रेयसी/पत्नी/मां मे से किसी एक के लिए मानते हुए दो तर्क।

(ख) जीवन में सब कुछ (आनंद और सुख भी) भूल जाने की स्थिति।

(ग) वह उसके रंग में इतना रैंग चुका है कि अब उससे मुक्ति चाहता है।

(घ) दुहराव- 'भूलूं मैं, भूलूं मैं - भूल जाने की तीव्र इच्छा।

'सहा नहीं जाता है, नहीं सहा जाता है' - असहनीयता पर बल।

अथवा

ज़ोर ज़बर्दस्ती से

बात की चूड़ी मर गई

और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!

हारकर मैंने उसे कील की तरह

उसी जगह ठोंक दिया।

ऊपर से ठीकठाक

पर अंदर से

न तो उसमें कसाव था

न ताक़त!

बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह

मुझसे खेल रही थी,

मुझे पसीना पोंछते देख कर पूछा-

“क्या तुमने भाषा को

सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा?”

(क) बात की चूड़ी कब मरती है? उसका क्या परिणाम होता है?

(ख) भाषा-प्रयोग के संदर्भ में ‘कील की तरह ठोंक देने' का क्या भाव है?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए - ‘क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा?”

(घ) बात की तुलना शरारती बच्चे से क्यों की गई है?

उत्तर- (क) जब संदर्भ के अनुकूल भाषा का प्रयोग न किया जाए और हठ न छोड़ी जाए।

(ख) दिखावा या आंडबर- उसमें न कसाव होता है और न शक्ति।

(ग) प्रसंगानुसार, सुविधानुसार उपयुक्त शब्दावली का प्रयोग करते हुए भाषा का सहज प्रयोग करना नहीं सीखा।

(घ) शरारती बच्चों के साथ खेलने का अपना एक अलग आनंद होता है। ठीक उसी प्रकार सहज शब्दों के साथ रचना करना भी आनंददायक होता है।

8. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×3=6)

प्रभु प्रलाय सुनि कान, बिकल भए बानर निकर

आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना मँह बीर रस।।

(क) काव्यांश के छद और उसकी भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण छाँटकर लिखिए।

(ग) हनुमान के आगमन को 'करुण रस में वीर रस का आगमन' क्यों कहा गया है? इसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- (क) सोरठा छंद का प्रयोग है। भाषा अवधी है।

(ख) प्रभु-प्रलाप, बानर निकर, सुनि कान (कोई दो)

(ग) लक्ष्मण मूछा से वानर समूह निराश और शोकग्रस्त था (करुण रस) किंतु हनुमान द्वारा संजीवनी लाने से उत्साह का संचार हुआ (विजय की संभावना बढ़ गई - वीर रस)।

अथवा

आँगन में ठुनक रहा है ज़िदयाया है

बालक तो हई चाँद पै ललचाया है

दर्पण उसे दे के कह रही है माँ

देख आईने में चाँद उतर आया है।

(क) ये पंक्तियाँ किस छंद में लिखी गई हैं? छंद की विशेषता बताइए।

(ख) पंक्तियों की भाषा की दो विशेषताएँ बताइए।

(ग) भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए - 'देख आईने में चाँद उतर आया है'।

उत्तर- (क) 'रुबाई छंद है। 1,2,4 पंक्तियों में तुक, तीसरी पंक्ति अतुकांत।

(ख) (i) भाषा सरल खड़ी बोली, बोलचाल की भाषा है।

(ii) नामधातु-जिदयाया, ललचाया आदि देशज शब्दों का प्रयोग

(ग) (i) मां की चतुराई प्रशंसनीय है।

(ii) कवि की सुंदर कल्पना जिसमें बालक दर्पण में ही चांद का सुख पा लेता है।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3+3=6)

(क) 'उषा' कविता के उस जादू को स्पष्ट कीजिए जो सूर्योदय के साथ टूटता है।

(ख) 'बच्चन' के गीत के आधार पर उन स्थितियों को स्पष्ट कीजिए जिनके कारण पथिक जल्दी चलता है।

(ग) चौकोने छोटे खेत को कवि ने कागज़ का पन्ना क्यों कहा है? उस खेत में 'रोपाई क्षण की, कटाई अनंतता की' कैसे है?

उत्तर- (क)

- अंधेरे के कारण आकाश को कालीसिल और लाली को केसर मानना।
- आकाश को काली स्लेट मानना।
- उगते सूर्यबिंब को नील जल में स्नान करती युवती समझना। ये सभी दृष्टिभ्राम जादू हैं, जो सूर्योदय के बाद टूटते हैं।

(ख)

- दिन ढलने का समय होने के कारण मंज़िल तक पहुंचने की व्यग्रता।
- पथ में ही रात हो जाने की आशंका/भय।
- प्रतीक्षारत बच्चों का स्मरण।

(ग)

- कागज़ और खेत दोनों ही रचना/सृजन के आधार।
- खेत में जैसे फसल उगती है उसी प्रकार कागज पर नई रचना।
- कागज़ पर लिखे क्षण भर के अनुभव जीवन भर के लिए स्थाई हो जाते हैं - जैसे क्षण भर की रोपाई अनंतता की कटापई हो।

10. नीचे दिए हुए गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4=8)

फूलों की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब-कुछ कोमल है! यह भूल है। इसके फल इतने मज़बूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फल-पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं। वसंत के आगमन के समय जब सारी वनस्थली पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, शिरीष के पुराने फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार ज़माने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग इन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते, तब तक जमे रहते हैं।

(क) गद्यांश में किस वनस्पति की चर्चा हुई है? उसके बारे में कवियों की किस धारणा को लेखक गलत ठहरा रहा है?

(ख) शिरीष के फलों की क्या विशेषता है?

(ग) लेखक को कुछ नेताओं की याद क्यों आ जाती है?

(घ) वसंत ऋतु में वनस्थली के सौंदर्य और उस पर शिरीष के अटपटेपन पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- (क) (i) शिरीष की चर्चा हुई है।

(ii) शिरीष के विषय में यह धारणा कि शिरीष वृक्ष का सब कुछ कोमल है।

(ख) फल मजबूत होते हैं और नए फलों के आने तक वृक्ष में ही लटके रहते हैं।

(ग) आज नेता भी बिना धकियाए अपना पद नहीं छोड़ते, लेखक ने इसी संदर्भ में नेताओं का जिक्र किया है।

(घ) वसंत के आगमन पर सारी वनस्पति पुष्प-पत्र से मर्मरित होती रहती है, परंतु शिरीष के पुराने सूखे फल बुरी तरह खड़खड़ाते रहते है।

अथवा

उन्होंने पुड़िया को धीरे से अपनी तरफ़ सरकाना शुरू किया। जब सफ़िया की बात ख़त्म हो गई तब उन्होंने पुड़िया को दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और खुद सफ़िया के बैग में रख दिया। बैग सफ़िया को देते हुए बोले, "मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।" वह चलने लगी तो वे भी खड़े हो गए और कहने लगे, 'जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन ख़ातून को यह नमक देते वत मेरी तरफ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा।"

(क) कहानी में नमक की पुड़िया इतनी महत्वपूर्ण क्यों हो गई है?

(ख) सफ़िया ने कस्टम अफसर को इस पुड़िया के बारे में क्या बताया होगा?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए- "मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।"

(घ) कस्टम-अधिकारी के कथन - ' सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा' से आप कहाँ तक सहमत हैं? क्यों?

उत्तर- (क) कहानी में नमक की पुड़िया के साथ मुहब्बत जुड़ी है। किंतु नमक को पाकिस्तान से भारत लाना कानूनी अपराध था।

(ख) उन्होंने कस्टम अधिकारी को साफ बताया होगा कि पाकिस्तान से भारत गई एक वृद्ध महिला की चाहत को पूरा करने के लिए वे नमक भारत ले जाना चाहती हैं।

(ग) प्यार कानून से ऊपर होता है। इसलिए कस्टम के नियम उसके आड़े नहीं आएंगे।

(घ) मुक्त उत्तर संभव। सहमत होने/न होने के समर्थन में कोई दो तर्क।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए: (3×4=12)

(क) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर लिखिए कि जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को कैसे सही ठहराया।

(ख) बाज़ार का ज़ादू क्या है? उसके चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता हैं?

(ग) पहलवान लुट्टन सिंह को राजा साहब की कृपा-दृष्टि कब प्राप्त हुई? उससे पहलवान की दिनचर्या में क्या अंतर आया?

(घ) जीवन की जद्दोजहद ने चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया? पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ङ) जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे भीमराव आंबेडकर के क्या तर्क थे?

उत्तर- (क) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को सही ठहराया कि कुछ देकर ही कुछ पाया जा सकता है। पानी देकर ही हम इंद्र से पानी की अपेक्षा रखते हैं।

(ख) ग्राहक को लुभा-लुभा कर ऐसी वस्तु खरीदवा देना जो उसके किसी काम की नहीं। जादू चढ़ने पर मनुष्य बौरा जाता है और उतरने पर निराशा मिलती है।

(ग) दंगल में विजयी होने के बाद श्याम नगर राजा के दरबार में लुट्टन सिंह को जगह मिल गई। क्षेत्र का हर पहलवान लुट्टन से हार चुका था। अब राजदरबार में लुट्टन दर्शनीय जीव बन गया था।

(घ) (i) परित्यक्ता का पुत्र,

(ii) भयावह गरीबी,

(iii) मां का पागलपन,

(iv) समाज द्वारा दुत्कारा जाना। खानाबदोशों से जुड़ाव, इन सब ने चार्ली के व्यक्तित्व को संपन्नता दी।

(ङ) (i) स्वाभाविक विभाजन नहीं,

(ii) मनुष्य की रूचि के अनुसान नहीं,

(iii) श्रम का सही विभाजन नहीं,

(iv) क्षमता का विकास नहीं किया जाना,

(v) माता-पिता की सामाजिक स्थिति से निर्धारण और जन्म से पूर्व ही निर्धारण। (कोई तीन)

12. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (3+3=6)

(क) 'जूझ' कहानी के आधार पर ग्रामीण जीवन की तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'सिल्वर वैडिंग' के आधार पर बताइए कि अपने निवास के निकट पहुँचकर वाई.डी. पंत को क्यों लगा कि वे किसी ग़लत जगह पर आ गए हैं।

(ग) ऐन फ्रैंक की डायरी को एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ क्यों माना जाता है?

उत्तर- (क) (i) जीवन की अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए संघर्ष।

(ii) शिक्षा के लिए संघर्ष।

(iii) माता-पिता में शिक्षा की कमी।

(ख)

- अपने निवास के पास पहुंचकर वाई.डी पंत ने कई परिवर्तन देखे।
- वे 'एनीवर्सरी' के समर्थक नहीं थे, उसी का आयोजन हो रहा था।
- अतिथियों की भीड़-भाड़।

(ग)

- इस डायरी में भय, आतंक, भूख, प्यास, घृणा, बढ़ती उम्र की तकलीफें, हवाई हमले के डर, युद्ध की पीड़ा-जो यहूदियों पर ढाए गए थे।
- महायुद्ध काल की सामाजिक स्थितियों का महत्वपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज।
- अपने जीवन से संबंधित घटनाओं का स्पष्ट चित्रण

13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: (2+2=4)

(क) ऐन फ्रैंक की डायरी किट्टी को संबोधित कर क्यों लिखी गई होगी?

(ख) यशोधर बाबू को बच्चों की तरक्की अच्छी भी लगती है और 'समहाउ इंप्रॉपर' भी। ऐसा क्यों?

(ग) मुअन-जो-दड़ो की सभ्यता को 'लो प्रोफ़ाइल' सभ्यता क्यों कहा गया है? 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर- (क) ऐन फ्रैंक अज्ञातवास में थी। वैसी अवस्था में उन्हें किसी से बात करने की तीव्र इच्छा हो रही होगी- जो संभव नहीं था। अतः किट्टी (गुड़िया) को संबोधित की होगी।

(ख)

- यशोधर बाबू अंत तक अपने ही बच्चों के विचार के साथ समायोजित नहीं कर सके।
- पिता के रूप में संतान की प्रगति अच्छी लगती है।
- प्रारंभ में ही अधिक वेतन, सुख-सुविधाओं की चाहत आदि 'समहाऊ इंप्रॉपर' लगते हैं।

(ग) सिंधु सभ्यता में राजतंत्र की ताकत का प्रदर्शन नहीं है। इसमें आडंबर, नहीं, शांतिप्रियता है। अतः आज के मुहावरे में इसे 'लो प्रोफाइल सभ्यता कहा जाता है।

14. "टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िंदगी के अनछुए समयों का भी दस्तावेज़ होते हैं।" इस कथन की समीक्षा 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर कीजिए। (5)

उत्तर- (i) ये खंडहर उस समाज की रहन-सहन व्यवस्था के साथ ही उन पूर्वजों के जीवन के ऐसे क्षेत्रों से भी परिचय कराते है, जिनसे अभी तक हम अपरिचित थे।

(ii) मन में यह भाव रहता है कि कल तक जो लोग यहां रहते थे हम उसी सभ्यता के परंपरा में है।

(iii) कभी यह हमारे ही घर थे, किंतु विडंबना है कि आज हम दर्शक मात्र रह गए हैं।

(iv) इन खंडहरों में खड़े होकर हम कल्पना करते हैं कि हजारों साल पहले यहाँ जीवन की चहल-पहल थी।

(v) ऐसा लगता है, मानो यहां के निवासी अभी कुछ समय पहले ही घर छोड़कर गए हैं और ये खंडहर उस प्राचीन सभ्यता के ठोस प्रमाण है।

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- (i) जिम्मेदार पिता।

(ii) परंपरागत मूल्यों में विश्वास।

(iii) सामान्यतः जीवन मूल्यों में परिवर्तन को स्वीकार करने में संकोच।

(iv) कर्मनिष्ठ।

(v) धार्मिक।

(vi) समय के पाबंद।